

अथरा पुं. (तत्.) मिट्टी का एक विशेष बरतन या नांद जिसमें रंगरेज कपड़ा रंगते हैं, सुनार मानिक की रेत रखते हैं और जुलाहे सूत भिगोते हैं और ताने में लेई लगाते हैं।

अथरी स्त्री. (तत्.) 1. छोटा अथरा, मिट्टी का वह उपकरण जिसे कुम्हार हांडी या घड़े में रख उसे थापी से पीटते हैं 2. मिट्टी का वह बरतन जिसमें दही जमाते हैं।

अथर्व पुं. (तत्.) दे. अथर्ववेद।

अथर्वण पुं. (तत्.) 1. अथर्ववेद 2. शिव।

अथर्वणि पुं. (तत्.) अथर्ववेद में बताए कर्मों को जानने वाला ब्राह्मण 2. पुरोहित।

अथर्वनी पुं. (तत्.) दे. अथर्वणि।

अथर्ववेद पुं. (तत्.) चारों वेदों में अंतिम।

अथर्वा पुं. (तत्.) 1. एक मुनि जो ब्रह्मा के शिष्य पुत्र थे और अग्नि को स्वर्ग से पृथ्वी पर लाए थे 2. अग्नि और सोम का यजन करने वाला ब्राह्मण।

अथर्वाण पुं. (तत्.) 1. अथर्ववेद या उस वेद में कहे हुए कर्मों को जानने वाला 2. यज्ञ कराने वाला पुरोहित।

अथवा अव्य. (तत्.) या, वा, किंवा आदि का अर्थसूचक एक वियोजक अव्यय जिसका प्रयोग दो या कई शब्दों, पदों या उप वाक्यों में विकल्प का संबंध दर्शाने के लिए किया जाता है।

अथशेष पुं. (तत्.) वाणि. किसी लेखा की आरंभिक रकम की प्रविष्टि opening balance

अथसिद्धि स्त्री. (तत्.) अभीष्ट के सिद्ध होने या उद्देश्य के पूरा होने की स्थिति, कार्य-सिद्धि।

अथाई स्त्री. (तत्.) बैठने की जगह, घर का वह बाहरी चौपाल जहाँ लोग इष्ट मित्रों से मिलते हैं या उनके साथ बातचीत करते हैं, बैठक, चौबारा।

अथाना स.क्रि. (तत्.) डूबना, अस्त होना स.क्रि. (देश.) 1. थहाना, थाह लेना, गहराई नापना, ढूँढना 3. छानना।

अथापि अव्य. (तत्.) अपरंच, किंच, पुनः और भी, इस पर या संख्या अधिकार, सत्ता, शासन-सत्ता प्राधिकार।

अथारिटी स्त्री. (अं.) शक्ति या प्रभुत्व; अधिकार या प्रभाव वाला व्यक्ति या संस्था या प्राधिकरण आदि authority

अथाह वि. (तत्.) जिसकी थाह न हो, जिसकी गहराई न नापी जा सके, बहुत गहरा, अगाध।

अथोर वि. (तत्.) 1. जो थोड़ा न हो, कम नहीं, अधिक, ज्यादा, बहुत 2. पूरा।

अदंड वि. (तत्.) 1. जो दंड के योग्य न हो, जिसे दंड देने की व्यवस्था न हो, सजा से बरी 2. कररहित 3. निर्भय 4. स्वेच्छाचारी।

अदंडनीय वि. (तत्.) जो दंड के योग्य न हो, जिसके लिए दंड का विधान न हो, अदंड्य।

अदंड्य वि. (तत्.) ऐसा व्यक्ति जो दंडित होने के यानि सजा के योग्य न हो, जिसे दंड देना उचित नहीं हो।

अदंत वि. (तत्.) जिसका दांत न हो, जिसका दांत न निकला हो, दुधमुँहा, जिसका दांत न टूटा हो (पशु) पुं. (तत्.) 1. जोंक 2. एक आदित्य।

अदंत्य वि. (तत्.) 1. जो दाँत संबंधी न हो, जो दाँतों के अनुकूल न हो 2. दाँतों के लिए अहितकर जिसका उच्चारण दंत्य न हो।

अदंभ वि. (तत्.) 1. दंभरहित, पाखंडरहित 2. बिना आडंबर का। पुं. 1. दंभ का अभाव 2. सरलता।

अद्भुतरस पुं. (तत्.) काव्य में नौ रसों में से एक जो आश्चर्य से उत्पन्न होता है, जिसमें विस्मय की परिपुष्टता दिखलाई जाती है।

अदक्ष वि. (तत्.) अकुशल, जो निपुण न हो।

अदक्षता स्त्री. (तत्.) अपेक्षित समय में अपेक्षित ढंग से अभीष्ट कार्य पूरा न कर पाने की व्यक्ति की अयोग्यता तु. दक्षता।

अदक्षिण वि. (तत्.) 1. बायाँ, जो दाहिना न हो 2. प्रतिकूल, विरुद्ध 3. दक्षिणारहित 4. अकुशल, अनाड़ी।